OFFICE OF THE GENERAL
INTERNATIONAL HEADQUARTERS

जनरल द्वारा वर्ष 2022 का क्रिसमस सन्देश

जब मैं उस सितारे के बारे में सोचता हूँ जिसका क्रिसमस की कहानी में एक ख़ास स्थान था, तो मुझे याद आता है कि वैज्ञानिक आकाशमण्डल में सितारों को एक अलग नज़रिये से देखते हैं। जिस पृथ्वी पर हम रहते हैं यहाँ से सितारों तक की दूरी मापने के लिए वे प्रकाश वर्ष का इस्तेमाल करते हैं। प्रकाश वर्ष वह दूरी है जो प्रकाश एक वर्ष में तय करता है, जो लगभग 5.88 ट्रिलियन मील (या 9.46 ट्रिलियन किलोमीटर) है।

सूर्य हमारा सबसे क़रीबी तारा है और लगभग 93 मिलियन मील की दूरी पर है। तो सूरज की रौशनी हम तक पहुँचने के लिए लगभग 8 मिनट और 20 सेकंड लेती है, तो इसका अर्थ यह हुआ कि हम सूरज का 8 मिनट पुराना रूप देखते हैं। हमारा अगला क़रीबी तारा है - अल्फ़ा सेंटौरी - जो लगभग 4.3 प्रकाश वर्ष की दूरी पर है, तो आज जब हम इस तारे को देखते हैं, तो हम इसका 4.3 साल पुराना रूप देखते हैं। यह ऐसा है जैसे हम समय चक्र में पीछे जाकर देख रहे हैं।

इसका अर्थ यह हुआ कि मजूसी जिनके बारे में मत्ती 2: 1 -2 में लिखा है उन्होंने एक ऐसा तारा देखा होगा जिसका प्रकाश उनके देखने के बहुत पहले से ही अपनी चमक फैला रहा था। और फिर भी, परमेश्वर ने यीशु मसीह की तरफ उनकी अगुवाई के लिए उस तारे का इस्तेमाल किया : 'कि यहूदियों का राजा जिस का जन्म हुआ है, कहां है? क्योंकि हम ने पूर्व में उसका तारा देखा है और उस को प्रणाम करने आए हैं' (मत्ती 2:2)।

यीशु मसीह इस संसार का प्रकाश बनने आया। वह अन्धकार में - हमारे अन्धकार में, इस संसार के अन्धकार में अपनी ज्योति को चमकाने आया। जैसा कि हम यशायाह 9 :2 में पढ़ते हैं: 'जो लोग अन्धियारे में चल रहे थे उन्होंने बड़ा उजियाला देखा; 'और जो लोग घोर अन्धकार से भरे हुए मृत्यु के देश में रहते थे, उन पर ज्योति चमकी। इस बात की भविष्यवाणी यीशु के जन्म से बहुत पहले ही हो चुकी थी।'

जब यीशु मसीह की बात आती है तो क्या हम प्रकाश वर्षों की बात कर रहे हैं? नहीं, मुझे ऐसा नहीं लगता, क्योंकि बाइबिल हमें बताती है कि वह अल्फ़ा और ओमेगा है - आदि और अंत है। वह आज भी उतना ही ज्योतिर्मय है जितना कि वह समय की शुरुआत में था, या जब वह इस पृथ्वी पर निवास करने आया था और 'हमारे संसार में रहा' (यूहन्ना 1 :4)

यीशु समय के आगे लाचार नहीं है। वह 'संसार की ज्योति है' (यूहन्ना 8 :12) और हमारी इस परेशान दुनिया की अंधकारमयी जगहों को ज्योतिर्मय करता है, और परिवर्तन लाता है। ज्योति संसार में आ चुकी है ! अब कोई ऐसे प्रकाश वर्ष नहीं रहे जो हमें इस ज्योति से अलग कर सकें। वह यहाँ है, वह हमें जानता है, और अब हम उसके साथ चल सकते हैं और उससे बातें कर सकते हैं। यहाँ पर आने का उसका उद्देश्य हमारे संग रहने का था, लेकिन वह रह भी चुका है, और हमेशा रहेगा भी, हमारे साथ।

यदि आप उसे पहले से नहीं जानते हैं, तो आप भी इस संसार की ज्योति को जान सकते हैं। उसका नाम है यीशु, और वह परिवर्तन लाने के लिए इस संसार में आया। यदि आपको बदलाव की तलाश है, तो यीशु को ढूंढिए। यदि आप अपने जीवन के अंधेरों में जी रहे हैं, तो उसको तलाश करिये जो इस संसार की ज्योति है।

अब उनके लिए जो पहले से ही यीशु मसीह से परिचित हैं, वह हमें याद दिलाता है कि हम संसार *में* एक ज्योति हैं। मत्ती 5:14 (*द मैसेज अनुवाद*) में हम पढ़ते हैं : 'तुम यहाँ एक ज्योति हो, संसार में परमेश्वर के रंगों को बिखेरने के लिए। परमेश्वर कोई रहस्य नहीं जिसको गुप्त रखा जाए। हम इसे सार्वजनिक करते हैं, इतना सार्वजनिक कि जैसे पहाड़ पर बसा हुआ एक शहर।'

इस क्रिसमस पर, आप चाहे दुनिया के जिस भी कोने में हों, काश ज्योति का एक स्रोत बन जाएँ, और जगत की ज्योति को दूसरों तक पहुंचाएं !

क्रिसमस के इस महीने के दौरान काश परमेश्वर आपको बहुतायत से आशीष दे !

Brian Peddle
General